

अर्थ प्रकाश 21/8/2026

एसडी कॉलेज में सजी किताबों की प्रदर्शनी, विद्यार्थियों ने लेखकों से पूछे सवाल और जाने अनुभव

किताबों की दुनिया में पहुंचे विद्यार्थी, लेखकों से रूबरू होकर जाना रचनाओं का संसार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। किताबें सिर्फ शब्दों का संसार नहीं, बल्कि विचारों, अनुभवों और कल्पनाओं की वह दुनिया हैं, जो पाठक को अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर नए संसार से परिचित कराती हैं। इसी सोच के साथ सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को पुस्तक प्रदर्शनी-2026 का आयोजन किया गया। कॉलेज सभागार में सजे पुस्तकों के संसार ने विद्यार्थियों को किताबों के करीब लाने के साथ उन्हें लेखकों से सीधे संवाद का अवसर भी दिया।

कॉलेज लाइब्रेरी के रीडर्स क्लब ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) क्लब के



सहयोग से पीएम-उषा योजना के तहत प्रदर्शनी का आयोजन किया। 'ओपन ए बुक, ओपन ए वर्ल्ड!' थीम पर सजी प्रदर्शनी में अलग-अलग विषयों, विधाओं और रुचियों से जुड़ी किताबें विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहीं। किताबों के पन्ने पलटते विद्यार्थियों में अपनी पसंद की रचनाओं को तलाशने की उत्सुकता दिखाई दी।

प्रदर्शनी में इस बार सिर्फ किताबों की प्रदर्शनी तक ही आयोजन को सीमित नहीं रखा गया। एक प्रमुख आकर्षण विशेष रूप से तैयार किया गया लेखक संवाद कोना था - 'मिलें ज सुनें ज पूछें ज जानें', जिसने पारंपरिक पुस्तक प्रदर्शनी को एक नया आयाम दिया। यहां विद्यार्थियों को उन लेखकों से मिलने का मौका मिला, जिनकी किताबें वे

पढ़ते हैं। लेखकों ने अपने लेखन सफर, अनुभवों और रचनाओं के पीछे छिपी सोच को विद्यार्थियों के साथ साझा किया।

लेखक एवं साहित्यिक हस्तियां जुपिंदरजीत सिंह, रंजीत पवार, सुपर्णा सरस्वती पुरी, सोनिया चौहान और हनी खेरा विद्यार्थियों से रूबरू हुए। विद्यार्थियों ने लेखकों से बेझिझक सवाल पूछे और लेखन, पुस्तकों तथा रचनात्मकता से जुड़े अनुभव जाने। इस संवाद ने किताब और पाठक के बीच की दूरी को कम किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक और व्यक्तिगत विकास में किताबों की अहम भूमिका है। किताबें पढ़ने की आदत विद्यार्थियों में जिज्ञासा, चिंतन और

आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करती है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल विद्यार्थियों को कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर नए विचारों और अनुभवों से जोड़ती है।

रीडर्स क्लब के संयोजक एवं एनडीएलआई क्लब के अध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत सिंह सोहल ने कहा कि ऑथर इंटरैक्शन कॉर्नर की परिकल्पना विद्यार्थियों को किताब के साथ उसके लेखक और उसके पीछे की सोच से जोड़ने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि लेखक से सीधा संवाद पढ़ने के अनुभव को और अधिक जीवंत और सार्थक बना देता है। पुस्तक प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि डिजिटल दौर में भी किताबों की दुनिया की चमक फीकी नहीं पड़ी है।

चंडीगढ़ सुबेर 21/8/2026

किताबों की दुनिया में पहुंचे विद्यार्थी, लेखकों से रूबरू होकर जाना रचनाओं का संसार

एसडी कॉलेज में सजी किताबों की प्रदर्शनी, विद्यार्थियों ने लेखकों से पूछे सवाल और जाने अनुभव

सर्वरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 20 अगस्त : किताबें सिर्फ शब्दों का संसार नहीं, बल्कि विचारों, अनुभवों और कल्पनाओं की वह दुनिया हैं, जो पाठक को अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर नए संसार से परिचित कराती हैं। इसी सोच के साथ सेक्टर-32 जीजीडीएसडी कॉलेज में वीरवार को पुस्तक प्रदर्शनी-2026 का आयोजन किया गया। कॉलेज सभागार में सजे पुस्तकों के संसार ने विद्यार्थियों को किताबों के करीब लाने के साथ उन्हें लेखकों से सीधे संवाद का अवसर भी दिया। कॉलेज लाइब्रेरी के रीडर्स क्लब ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया क्लब के सहयोग से पीएम-उषा योजना के तहत प्रदर्शनी का आयोजन किया। ओपन ए बुक, ओपन ए वर्ल्ड थीम पर सजी प्रदर्शनी में अलग-अलग विषयों, विधाओं



प्रदर्शनी में छात्र लेखकों से बातचीत करते हुए।

और रु चियों से जुड़ी किताबें विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहीं। किताबों के पन्ने पलटते विद्यार्थियों में अपनी पसंद की रचनाओं को तलाशने की उत्सुकता दिखाई दी। प्रदर्शनी में इस बार सिर्फ किताबों की प्रदर्शनी तक ही आयोजन को सीमित नहीं रखा गया। एक प्रमुख आकर्षण विशेष रूप से तैयार किया गया लेखक संवाद कोना था मिलें सुनें पूछें जानें, जिसने पारंपरिक पुस्तक प्रदर्शनी को एक नया आयाम दिया। यहां विद्यार्थियों को उन लेखकों से मिलने का मौका मिला, जिनकी किताबें वे

पढ़ते हैं। लेखकों ने अपने लेखन सफर, अनुभवों और रचनाओं के पीछे छिपी सोच को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक और व्यक्तिगत विकास में किताबों की अहम भूमिका है। रीडर्स क्लब के संयोजक एवं एनडीएलआई क्लब के अध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत सिंह सोहल ने कहा कि ऑथर इंटरैक्शन कॉर्नर की परिकल्पना विद्यार्थियों को किताब के साथ उसके लेखक और उसके पीछे की सोच से जोड़ने के उद्देश्य से की गई थी।

दिव्य हिमाचल 21/8/2026

एसडी कॉलेज में पुस्तक प्रदर्शनी

सेक्टर-32 में पुस्तकें, लेखक और संवाद बने आकर्षण का केंद्र

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेजए सेक्टर-32सी चंडीगढ़ ने आज महाविद्यालय सभागार में पुस्तक प्रदर्शनी 2026 का आयोजन किया। इसमें पुस्तकों, पाठकों और लेखकों को एक साथ लाया गया।

यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री उषा पीएम उषा योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। कॉलेज लाइब्रेरी के रीडर्स क्लब द्वारा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया एनडीएलआई क्लब के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्देश्य पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना और छात्रों को पढ़ने के लिए



चंडीगढ़। कार्यक्रम के दौरान छात्रों से संवाद करते लेखक

प्रोत्साहित करना था। किताब खोलो दुनिया खोलो विषय पर आयोजित इस प्रदर्शनी में विविध विषयों, शैलियों और रुचियों के क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इससे छात्रों को पुस्तकों से जुड़ने के लिए एक जीवंत वातावरण प्राप्त हुआ। एक प्रमुख आकर्षण विशेष रूप से तैयार किया गया लेखक

संवाद कोना था मिलें, सुनें, पूछें, जानें, जिसने पारंपरिक पुस्तक प्रदर्शनी को एक नया आयाम दिया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को लेखकों से सीधे मिलने, उनके अनुभव सुनने, उनसे प्रश्न पूछने तथा उनकी रचनाओं के पीछे छिपे विचारों और प्रेरणा को जानने का अनूठा अवसर मिला। वहीं, लेखकों ने छात्रों से संवाद किया।

चण्डीगढ़ नैरनरी 21/8/2026

‘किताब खोलो, दुनिया खोलो’ थीम पर आयोजित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने लेखकों से की बातचीत

पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तकों के साथ लेखकों से संवाद का मिला अवसर

चण्डीगढ़, 20 अगस्त (आशीष): सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्ता स्नातन धर्म कॉलेज में पुस्तक प्रदर्शनी-2026 का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री उषा योजना के तहत आयोजित इस प्रदर्शनी में पुस्तकों, पाठकों और लेखकों को एक मंच पर लाया गया। कॉलेज के रीडर्स क्लब ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया क्लब के सहयोग से इसका आयोजन किया।

प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना और उन्हें साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना रहा। ‘किताब खोलो, दुनिया खोलो’ थीम पर आयोजित



जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज में पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा। (परःपूजीत)

प्रदर्शनी में अलग-अलग विषयों, शैलियों और रुचियों से जुड़ी पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी का खास आकर्षण ‘मिलें, सुनें, पूछें, जानें’ नाम से तैयार किया गया लेखक संवाद कॉर्नर रहा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को लेखकों से

सीधे बातचीत करने, उनके अनुभव सुनने और उनकी रचनाओं को पीछे की सोच व प्रेरणा को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में पांच प्रतिष्ठित लेखक एवं साहित्यकार जुपिंदरजीत सिंह, रणजीत पवार, सुपर्णा-सरस्वती पुरी, सोनिया चौहान

और हनी खेड़ा ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया।

पुस्तकें विद्यार्थियों के बौद्धिक और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं : कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि पुस्तकें विद्यार्थियों के बौद्धिक और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस तरह की पहल विद्यार्थियों में पठन-पाठन की रुचि, जिज्ञासा और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देती हैं। रीडर्स क्लब के संयोजक एवं एन.डी.एल.आई. क्लब के अध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत सिंह सोहल ने कहा कि लेखक संवाद कॉर्नर का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें रचनाकारों के विचारों और उनकी प्रेरणा से जोड़ना है।

एसडी कॉलेज में पुस्तकें, लेखक और संवाद बने आकर्षण का केंद्र

पुस्तक प्रदर्शनी 2026 में पुस्तकों के अवलोकन के साथ-साथ लेखकों के साथ वार्तालाप और संवाद का है संगम

दिनभर संवाददाता, चंडीगढ़

गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर 32-सी, चंडीगढ़ ने आज महाविद्यालय सभागार में पुस्तक प्रदर्शनी 2026 का आयोजन किया, जिसमें पुस्तकों, पाठकों और लेखकों को एक साथ लाया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री उषा (पीएम-उषा) योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। कॉलेज लाइब्रेरी के रीडर्स क्लब द्वारा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) क्लब के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्देश्य पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना और छात्रों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना था।

किताब खोलो, दुनिया खोलो! विषय पर आयोजित इस प्रदर्शनी में विविध विषयों, शैलियों और रुचियों के क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया, जिससे छात्रों को पुस्तकों से जुड़ने के लिए एक जीवंत वातावरण प्राप्त हुआ। एक प्रमुख आकर्षण विशेष रूप से तैयार किया



गया लेखक संवाद कोना था — मिलें उ सुनें उ पूछें उ जानें, जिसने पारंपरिक पुस्तक प्रदर्शनी को एक नया आयाम दिया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को लेखकों से सीधे मिलने, उनके अनुभव सुनने, उनसे प्रश्न पूछने तथा उनकी रचनाओं के पीछे छिपे विचारों और प्रेरणा को जानने का अनूठा अवसर मिला। पाँच प्रतिष्ठित लेखक एवं साहित्यकार — जुपिंदरजीत सिंह, रणजीत पवार, सुपर्णा-सस्वती पुरी, सोनिया चौहान और हनी

खेड़ा — ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस जीवंत संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी पढ़ी हुई पुस्तकों के सृजनात्मक सफर, लेखन प्रक्रिया तथा उनके पीछे निहित विचारों और प्रेरणाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कहा, पुस्तकें विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस प्रकार की पहलें विद्यार्थियों में पठन-पाठन की रुचि, जिज्ञासा और



आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करती हैं तथा उन्हें कक्षा से बाहर लेखकों और उनके विचारों से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने रीडर्स क्लब और एनडीएलआई क्लब को लेखकों और पाठकों को एक साझा मंच पर लाने के लिए बधाई दी। इस अवधारणा के बारे में बताते हुए रीडर्स क्लब के संयोजक एवं एनडीएलआई क्लब के अध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत सिंह सोहल ने कहा, 'ऑथर इंटरैक्शन कॉर्नर' की परिकल्पना

विद्यार्थियों को केवल पुस्तकों को देखने तक सीमित न रखकर उन्हें उन पुस्तकों के पीछे के रचनाकारों, विचारों और प्रेरणा से जोड़ने के उद्देश्य से की गई है। संवाद युवा विद्यार्थियों के लिए पठन को अधिक रोचक, सार्थक और प्रेरणादायी अनुभव में बदल देते हैं। इस पहल ने एक जीवंत पठन संस्कृति को बढ़ावा देने और पुस्तकों, पाठकों और विचारों को जोड़ने के लिए सार्थक स्थान बनाने के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।